OM 17 EDITED_Page 1 and 2 11-11-2014 15:47 Page 2

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक-17 दिसंबर-I, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8.00

सरगम और साज़ से बनी जीवन की 'बैलेंस शीट'

लखनऊ। सी.एम.एस. गोमती नगर ऑडिटोरियम में कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.शिवानी, आलोक रंजन, उनकी पत्नी सुरभि रंजन, अपर्णा यादव, जयंत कृष्णा तथा अन्य।

लखनऊ। बिज़नेस का हिसाब-किताब तो हम खूब रख लेते हैं... रिश्तों के बहीखाते भी हमेशा नफ़े-नुकसान के ग्राफ पर तैयार रहते हैं। यह हिसाब लगा लेते हैं कि दूसरों ने हमें क्या दिया... यह ध्यान में कभी नहीं आता कि हमसे किसी को क्या मिला। अपने जीवन के इसी लेनदेन की 'बैलेंस शीट' को तैयार करने का ज़रिया है अध्यात्म। यह बताया गया प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक कार्यक्रम 'डिवाइन बैलेंस शीट ऑफ लाइफ' में। 'विविधता में एकता' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में किसी सत्संग या प्रवचन से नहीं बल्कि रशियन धुनों पर हिन्दुस्तानी सरगम और साज़ों की जुगलबंदी से जीवन का सार समझाया गया।

सी.एम.एस. गोमती नगर विस्तार के ऑडिटोरियम में संगीत और अध्यात्म के अनोखे संगम की शुरुआत हुई रशिया से आये 30 कलाकारों के 'डिवाइन लाइट ग्रुप' की रशियन बैले प्रस्तुति से। इसके बाद 'हम स्वर्ग धरा पर लायेंगे...' गीत पर बैले और भरतनाट्यम का संगम अद्भुत था।

कार्यक्रम में डिवाइन ग्रुप के रशियन कलाकार प्रस्तुती देते हुए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच में ब्रह्माकुमारी संतोष ने जीवन में अध्यात्म और ध्यान की महत्ता बताई और अंत में ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मशहूर वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी ने जीवन के लक्ष्य, अपनी पहचान, खुद से संवाद और परमात्मा के ज्ञान पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि विश्व-विद्यालय की 'राजयोग प्रक्रिया' ध्यान के जरिये आत्मा और परमात्मा के से संवाद होने की स्थिति है। आत्मा रिचार्ज होती है। वे निजी शक्तियों से शस्क्त महसूस करती है। विश्व-विद्यालय की लखनऊ शाखा की प्रभारी ब्र.कु.राधा और विश्व विद्यालय के माउण्ट आबू हेडक्वार्टर से आये ब्र.कु.कोमल कार्यक्रम संयोजक की भूमिका में थे।

इस कार्यक्रम में शहर की कुछ चर्चित हस्तियों ने मिलकर तकरीबन 100 दीपक एक साथ जलाये। प्रमुख रूप से मुख्य सचिव आलोक रंजन, उनकी पत्नी सुरभि रंजन, अपर्णा यादव, जयंत कृष्णा, जगदीश गांधी ने दीपक जलाये। कार्यक्रम के अंत में अपर्णा यादव ने कहा कि अनेकता में एकता का यही मंत्र था जिसके बल पर गांधी जी देश को आज़ाद करा ले गए।

विश्व-बंधुत्व दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड

शांतिवन-डायमण्ड हॉल। दादी रतनमोहिनी सहायक प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़, को 25 अगस्त विश्व-बंधुत्व दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित करते हुए अध्यक्ष पवन सोलंकी। साथ हैं ब्र.कु. मृत्युंजय,उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. गंगाधर,सम्पादक,ओमशांति मीडिया।

शांतिवन - पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के सातवें स्मृति दिवस 25 अगस्त को विश्वबंधुत्व दिवस रूप में मनाया गया। जिस पर विशेष रूप से भारत तथा नेपाल में 'दादी प्रकाशमणि की जीवनी' पर 8000 शिक्षिकाओं ने अलग-अलग जगह पर कार्यक्रम में प्रकाश डाला। जिसमें चार लाख से भी अधिक लोगों ने भाग लिया। यह वर्ल्ड रिकार्ड ऑफ इंडिया में दर्ज किया गया।

योग मन के परिवर्तन की एक अवस्था है - मा.जीजिंग

ओ.आर. सी. गुड़गाँव। वास्तव में यह एक ही अनोखा विश्व-विद्यालय है, जो विश्व को आध्यात्मिकता की शिक्षा दे रहा है। यहाँ का बड़ा सुन्दर आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक वातावरण हमें जीवन से भी पार ले जाता है। धर्म तो वास्तव में एकमात्र बाह्य स्वरूप है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से तो सब एक ही हैं। जैसे पेड़ की पत्ती, फूल, फल एवं शाखायें अलग-अलग हैं, उनके धर्म अलग नज़र आते हैं, परंतु ये सभी जुड़े तो एक जड़ से ही हैं। मुझे बौद्ध धर्म में कुछ मिसिंग लगता था जिसका कि मुझे यहाँ आकर अनुभव हुआ, वास्तव में परमात्मा ही ऊर्जा का एकमात्र स्रोत है। हमें सब पर दया करनी है, सारे ब्रह्माण्ड में बस प्यार के ही प्रकम्पन फैलाने हैं। दया एक ऐसा सुंदर - **शेष पेज 8 पर**

'द पावर ऑफ कम्पशन' विषय पर ब्र.कु.आशा सम्बोधित करते हुए। साथ में हैं बौद्ध धर्म के प्रसिद्ध योगी मा.जीजिंग ।